ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कठुआ जिले की उप उष्णकटिबंधीय स्थितियों के लिए एग्रोमेट सलाहकार बुलेटिन

द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया

जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र कठुआ,

शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

जम्मू तथा कश्मीर

भारत मौसम विज्ञान विभाग, भारत सरकार

ईमेल: damukathua@gmail.com; kvkkathua@skuast.org

क्रमांक: **AUJ/KVK-K/DAMU/21-22/1349**	बुलेटिन संख्या: **31 (डामु कठुआ)/2021-22**	**Dated: 16-07-2021**
दूरभाष न: **0192-232989**	वेबसाइट : **www.skuast.org**	फैक्स : **0192-232989**

जिला :**कठुआ**

पिछले 5 दिनों का मौसम सारांश (12 से 16 जुलाई, 2021)	अधिकतम तापमान की सीमा (°सेल्सियस)	29.7-35.8
	न्यूनतम तापमान की सीमा (°सेल्सियस)	21.4-26.4
	सापेक्षिक आर्द्रता की सीमा **(%)**	N.A
	वर्षा **(**मि.मी.)	62

अगले 5 दिनों के लिए मौसम का पूर्वानुमान (0830 बजे, 17 से 21 जुलाई 2021 तक)

मौसमी तत्व / दिनांक	**17/07/21**	**18/07/21**	**19/07/21**	**20/07/21**	**21/07/21**
वर्षा (मि.मी.)	0	0	5	95	60
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	38	39	36	33	33
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	28	28	26	24	24
सापेक्षिक आर्द्रता अधिकतम **(%)**	75	75	80	90	90
सापेक्षिक आर्द्रता न्यूनतम **(%)**	50	50	60	70	70
हवा की गति (कि.मी / घंटा)	1	1	1	1	1
हवा की दिशा	50	50	165	155	85
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	1	2	5	8	8

संभावित मौसम के अनुसार कृषि सलाह: 17 से 21 जुलाई 2021 तक

19 से 21 जुलाई के बीच हल्की से भारी बारिश की संभावना के साथ, अगले पांच दिनों के दौरान आसमान में ज्यादातर बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 33 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच हो सकता है। इस दौरान हवा उत्तर पूर्व से दक्षिण दक्षिण पूर्व दिशा की ओर 1 किमी/घंटा की औसत गति से चलेगी। इस अवधि के दौरान सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 75-90% और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 50-70% के बीच हो सकती है।

19 से 21 जुलाई के बीच हल्की से भारी वर्षा की संभावना के साथ, किसानों को शुष्क / साफ मौसम की स्थिति के आधार पर कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है।

फसल	**अवस्था**	मौसम आधारित कृषि परामर्श
धान	रोपाई	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बारिश के पानी के सीटू भंडारण के लिए अपने खेतों को बांध दें और इसका उपयोग पोखर के लिए करें। किसान बारिश के बाद 4-6 पत्ते (किस्में: चीन-1039, आईईटी-1410, रत्ना, पीसी-19, एसजेआर-5, जया और बासमती) प्राप्त कर चुके चावल के पौधों की रोपाई जारी रख सकते हैं। रोपाई के 4-6 दिनों के बाद खड़े पानी में बुटाक्लोर @ 1.5 किग्रा / कनाल डालें और पानी को 5-7 दिनों तक खेत में खड़े रहने दें। 20-25 दिन की धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए बिसपायरीबैक-सोडियम 10-12 ग्राम प्रति एकड़ का छिड़काव साफ मौसम में करें।
मक्का	बोवाई	किसान मक्के की फसल को बारानी क्षेत्रों (var. विवेक-25, विवेक क्यूओएम-9, एचएम-5 और एचक्यूपीएम-1) में 20-30 किग्रा/हेक्टेयर बीज दर के साथ बोने के

		लिए जा सकते हैं। मृदा जनित रोगों के प्रबंधन के लिए बीज को बाविस्टिन @ 3 ग्राम / किग्रा बीज से उपचारित करें।
दलहन माश और मूंग	बोवाई	किसान मिट्टी की इष्टतम नमी की स्थिति में मैश (पंत यू-19, उत्तरा) और मूंग (एसएमएल-668) की बुवाई के लिए जा सकते हैं। बेहतर पैदावार के लिए बुवाई से पहले बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें।
बागवानी: (आम, अमरुद, संतरा, किन्नू इत्यादि)	युवा/असर	बरसात के मौसम में पौधरोपण के लिए गड्ढे खोदे जा सकते हैं। साइट्रस साइला, लीफ माइनर को नियंत्रित करने के लिए साफ मौसम के दौरान डाइमेथोएट @ 1 मि.ली./लीटर का छिड़काव करें।
सब्जियां: टमाटर/बैंगन/मिर्च	फलने की अवस्था	बारिश का पानी खेतों में न रुकने दें। फल छेदक हमले को नियंत्रित करने के लिए साफ मौसम के दौरान डाइक्लोरोवोस @ 2.0 मिली/लीटर पानी का प्रयोग करें। संक्रमित फलों और टहनियों को नियमित रूप से हाथ से उठाकर उनके उचित निपटान की सिफारिश की जाती है।
मधुमक्खी पालन		कालोनियों को ब्रूड पालन और अमृत के भंडारण के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराएं। घुन को नियंत्रित करने के लिए सल्फर डस्ट को 1 ग्राम प्रति फ्रेम की दर से ऊपर की सलाखों पर लगाएं।
लाइव स्टॉक: (डेयरी पशु, भेड़ और बकरी)		पशुओं को हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए नियमित अंतराल पर पशुओं को पर्याप्त मात्रा में ताजा ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। दिन में 3-4 बार पानी से स्नान कराएं। गर्मी के तनाव को कम करने या सभी जानवरों को छाया में रखने के लिए शेड में पानी का छिड़काव करें। यदि संभव हो तो दिन के समय क्रास ब्रीड मवेशियों को कूलर उपलब्ध कराएं। यदि अभी तक टीका नहीं लगाया गया है, तो पशुओं को पैर और मुंह और गल गोटू रोगों के खिलाफ टीका लगवाएं। दूध देने वाले और गर्भवती पशुओं को पूरक खनिज मिश्रण नियमित रूप से देना चाहिए।
पोल्ट्री		ताजा ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं। पोल्ट्री हाउस में उचित वेंटिलेशन बनाए रखा जाना चाहिए। पोषक तत्वों की कमी वाली बीमारियों की घटना को रोकने के लिए चूजों को संतुलित राशन दिया जाना चाहिए। चूजों का चेचक रोग के खिलाफ टीकाकर ण 6 सप्ताह की उम्र में किया जाना चाहिए। इसके अलावा , किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से बीमारी के किसी भी लक्षण की तलाश करें और संदिग्ध मामलों के मामले में सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करें।

डॉ। विशाल महाजन
प्रमुख, केवीके कठुआ

डॉ। आशु शर्मा
एसएमएस एग्रोमेटोरोलॉजी, केवीके कठुआ